जापान के सहयोग से प्रशिक्षित करेंगे उत्पादन विशेषज्ञ

कानपुर, 31 अगस्त। उत्पादन क्षेत्र में विशेषज्ञ तैयार करने के लिये देश के कुछ प्रमुख शैक्षिक संस्थानों में जापान के सहयोग से जुलाई २००७ से एक नया पाठ्यक्रम शुरू किया जायेगा। इस तरह का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये भारत एवं जापान के बीच एक अहम समझौता हुआ है। शुरूआती दौर में इस प्रशिक्षण के लिये आई.आई.टी. एवं आई.आई.एम. सरीखे नामी गिरामी उच्च शिक्षण संस्थान चयनित किये गये है। प्रेस वार्ता के दौरान आई.आई.टी. के निदेशक संजय गोविन्द धाण्डे ने कहा कि स्किल डेवलेप मेंट एजूकेशन हमारे देश में प्रचिलित नहीं थी। इसके उन्नयन के लिये ५ की कोर टीम बनायी गयी है। जिसके तहत फरवरी २००७ से प्रोग्राम शुरू होगा । इसका विधिवत पहला बैच १६ माह की अवधि के ले जुलाई २००७ से शुरू किया जायेगा। इस बैच के लिये ५० सीटें निर्धारित की गयी हैं। उत्पादकता के क्षेत्र में विशेषज्ञ बनाने वाले इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को इंजीनियरिंग की डिग्री के साथ-साथ प्रोडेक्शन के क्षेत्र में ७ से १० वर्ष का अनुभव होना भी जरूरी होगा। इसमें चयन के लिये साक्षात्कार की प्रक्रिया अपनाने के साथ-साथ अभ्यर्थी जिस कम्पनी में कार्यरत है उसकी पृष्ठभूमि का भी आकलन किया जायेगा। इस अवसर पर आई.आई.एम. कोलकता के निदेशक डा. शेखर चौधरी ने बताया कि स्किल बेस्ड प्रशिक्षण के दौरान चयनित अभ्यर्थी जहां १५ दिन संस्थान में कार्य करेंगे वहीं ६ हफ्ते फील्ड में कार्य करेंगे। यहीं नहीं इन अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण के लिये चीन, जापान, यूरोप आदि देशों में भी भेजा जायेगा। प्रायः देखा गया है बड़ी कम्पनियों के बैठने से छोटी कम्पनियां भी प्रभावित होती हैं हम ऐसे विशेषज्ञ तैयार करेंगे जो छोटी कम्पनियों को बड़ी बनाने की क्षमता रखेंगे। इसके लिये ४ लैब्स एवं ७ माड्यूल्स तैयार किये जावेंगे। एम.आई.टी. का १५ वर्षों का अनुभव हमारे देश के लिये काम आयेगा। इस अवसर पर मैनेज मेंट गुरू की ख्याति प्राप्त जापान से आये प्रोफेसर सोजी शिवा ने कहा कि स्किल बेस्ड ट्रेनिंग होगी चाहे चीन हो या भारत के अभ्यर्थी जो सीरियस होगा वही सफल होगा। उन्होंने बताया कि पिछले दो सालों में भारत की ११ कम्पनियों को अपनी सुविधा दे रहे हैं। उन्होंने मैनेजमेंट की अपनी पुस्तक का विमोचन भी किया। २८० रू. वाली इस पुस्तक का पब्लिकेशन भी देश में हुआ है। डा. सरिता नागपाल ने बताया कि प्रो. सोजी शिवा से उद्योगों को काफी फायदा मिला है। इसके बाद ही प्रशिक्षण के लिये इनका चुनाव किया गया है।

जुलाई-2007 से 50 का नया बैच शुरू किया जायेगा

पत्रकार वार्ता करते डा. एस.जी. धांडे, डा. शेखर चौधरी व प्रोफेसर सोजी शिवा।

आरक्षण पर वही करेंगे जो सरकार चाहेगी

कानपुर, 31 अगस्त। आई.आई.टी. के निदेशक संजय गोविन्द धाण्डे ने आरक्षण के मामले में कहा कि जो भी बदलाव आयेगा धीरे-धीरे आयेगा। हमने आर्नन्द कृष्णन कमेटी को सुझाव दिया कि आरक्षण के बारे में कारर्रवाही करने में तीन साल का समय लेगेगा। दिल्ली में हुई बैठक में स्पष्ठ सुझावों का विवरण किया गया। इस मौके पर आई.आई.एम. के निदेशक डा. शेखर चौधरी ने कहा कि सरकार जो भी नियम लागू करेगी हम उन्हें मानेंगे।